SNB 28th May, 2018

सटीक शोध के लिये जरूरी है सांख्यिकी का प्रयोग

■ देहरादून/एसएनबी।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बुधवार से शुरू हुई। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन परिषद के महानिदेशक डा. एससी गैरोला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला का उद्देश्य वानिकी व पर्यावरण के क्षेत्र से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं व वैज्ञानिकों को सांख्यिकी में आधारभूत व आधुनिक विधियों की जानकारी देना है।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए महानिदेशक डा. एससी गैरोला।

महानिदेशक डा. गैरोला ने वानिकी अनुसंधान में सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग पर बल दिया। कहा कि इससे शोध परिणामों में सटीकता आती है। कहा कि सांख्यिकीय विधियों का प्रभावी तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए। रमन नौटियाल ने स्वागत भाषण दिया। उप महानिदेशक एएस रावत ने कार्यशाला में शिरकत कर रहे प्रतिभागियों का स्वागत किया। भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. एलएम भर ने अपने संबोधन में मुख्यतः वानिकी, पर्यावरण और अन्य अध्ययनों में सांख्यिकी की उपयोगिता और महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सांख्यिकी विश्लेषणों के दौरान आंकड़ों में बरती जाने वाली सावधानियों पर भी प्रकाश डाला। वहीं सैंपलिंग तकनीकों में आधुनिक प्रगति विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों ने विस्तार से चर्चा कर शोध पत्र भी प्रस्तुत किये। डा. राजेश कुमार, प्रोफेसर वीवीएस सिसौदिया, डा. हुकम चंद्र, डा. पीयूष राय, डा. राजेश टेल, प्रोफेसर मनोज कुमार, डा. सुशील कुमार, संतोष यादव, अंकुरी अग्रवाल, सांची पांडे, प्रोफेसर अनूप चौधरी आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

> आईसीएफआरई में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ
> वानिकी व पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले अनुसंधानकर्ता जुटे

UTTAR BHARAT LIVE BUREAU 28th May, 2018

तीन दिवसीय कार्यशाला का अयोजन

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarabharatlive.com

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में वानिकी और पर्यावरण विज्ञान द्वारा सांख्यिकीय विधियों और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभाम्भ किया गया। कार्यशाला सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत सरकार और परिषद् द्वारा प्रायोजित है। कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधानकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों जोकि वानिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत है, को सांख्यिकी में आधारभूत तथा आधुनिक विधियों से अवगत कराना है। कार्यशाला के उद्धघाटन के अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि

परिषद के महानिदेशक डा. सुरेश गैरोला ने सांख्यिकीय विधियों की वानिकी अनुसंधान में प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कहा शोध के परिणामों को सटीकता से व्याख्यायित किया जा सके और प्रभावशाली तरीके से उपयोग किया जा सके।

डा. एलएमभर निदेशक भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली ने अपने संबोधन में मुख्यत वानिकी, पर्यावरण और अन्य अध्ययनों में सांख्यिकी की उपयोगिता और महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सांख्यिकी विश्लेषणों के दौरान आँकडों व विश्लेषणों में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। रमन नौटियाल ने अपने स्वागत भाषण में कार्यशाला के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी।

इस दौरान भावाअशिप उपमहानिदेशक एएस रावत प्रशासन ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। डा एलएमभर निदेशक भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि थे। डा. गिरीश चन्द्र ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डा. परिषद के महानिदेशक सुरेश गैरोल ने कार्यशाला का दीप प्रज्जवलित किया।

SHAH TIMES 28TH May, 2018

एफआरआई में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

सांख्यिकीय विधियों व हालिया प्रगति पर मंथन

■ तीन दिन तक चलेगा कार्यक्रम, पहले दिन कई विशेषज्ञों ने रखे विचार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकीय विधियों और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय कार्यशाला वानिकी सांख्यिकी प्रभाग देहरादून में शुरू हुई। 'वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकी की आधुनिक प्रगति पर तीन दिवसीय इस कार्यशाला में कई विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

कार्यशाला सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय भारत सरकार और भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान एवं शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित है। कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधानकर्ताओं एवं वैज्ञानिकों जोकि वानिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत है को सांख्यिकी में आधारभूत तथा आधुनिक विधियों से अवगत कराना है। महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। रमन नौटियाल ने कार्यशाला के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। उपमहानिदेशक (प्रशासन), भावाअशिप एएस. रावत ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। , निद. शक डॉ. एलएम भर भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला भा.वा.अ.शि.प. ने सांख्यिकीय विधियों की वानिकी अनुसंधान में प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया जिससे कि शोध के परिणामों को सटीकता से व्याख्यायित किया जा सके और प्रभावशाली तरीके से उपयोग किया जा सके। डॉ. गिरीश चन्द्र ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ.एल.एम.भर ने मुख्यतः वानिकी, पर्यावरण और अन्य अध्ययनों में सांख्यिकी की उपयोगिता और महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सांख्यिकी विश्लेषणों के दौरान आँकड़ों व विश्लेषणों में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। बुधवार का सत्र ''सैंपलिंग तकनीकों में आधुनिक प्रगति'' पर आधारित था। वानिकी और पारिस्थितिकी में सैंपलिंग संबंधित विभिन्न विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किये। आज राजेश कुमार, प्रो बीवीएस सिसोदिया, डॉ.हुकुम चन्द्र, डॉ. पीयूष के. राँय, डॉ. रावसाहेब वी. लटपटे, डॉ. राजेश टेलर, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. सुशील कुमार, संतोश कुमार यादव, अंकुरी अग्रवाल एवं साची पान्डे द्वारा प्रस्तुति करण दिया गया। डॉ. एलएमभर, प्रो. अनुप चतुर्वेदी एवं डॉ. हुकुम चन्द्रा ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

कार्यशाला का आगाज

देहरादून। वानिकी सांख्यिकी प्रभाग की ओर से एफआरआई में 'वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकी की आधुनिक प्रगति पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधानकर्ताओं और वैज्ञानिकों को वानिकी सैंपलिंग और सांख्यिकी की आधुनिक तकनीकों की जानकारी देना है।

DAINIK JAGRAN, 28th May, 2018

सांख्यिकी से शोध में आएगी सटीकता

जागरण संवाददाता, देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) में वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकीय विधियों और प्रयोगों में वर्तमान प्रगति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला बुधवार से शुरू हुई। कार्यशाला में देशभर से आए विशेषज्ञों ने वानिकी और पारिस्थितिकी में सैंपलिंग से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आइसीएफआरई के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला ने कहा कि सांख्यिकीय विधियों का वानिकी अनुसंधान में अधिक से अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे शोध के परिणामों को और सटीक बनाया जा सकता है। कार्यशाला में भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एलएम भर आइसीएफआरई के महानिदेशक (प्रशासन) एएस रावत, प्रो. अनूप चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

National Workshop On Recent Advances In Statistical Methods And Applications In Forestry And Environmental Sciences In ICFRE

Dehradun: Three day National Workshop on Recent Advances in Statistical Methods and Applications in Forestry and Environmental Sciences (RASMAFES) organized by Division of Forestry Statistics, ICFRE begins today. The workshop is sponsored jointly by the Ministry of Statistics and Program Implementation (MoSPI), Government of India and Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) . The objectives of the workshop are to familiarize the researchers and scientists working in the field of forestry and environmental to the basic and recent developments in statistics.

Dr Suresh Gairola, DG ICFRE addressing the gathering during Inaugural session

After brief introduction about workshop by Shri Raman Nautiyal, in his welcome address, Shri A. S. Rawat, DDG (Admin), ICFRE, welcomed the participants. Dr. L.M. Bhar, Director, IASRI was the guest of honour. Inaugurating the function, Dr. Suresh Gairola, Director General, ICFRE stressed the need to use statistical methods in forestry research so that the findings are interpreted and utilised efficiently. Dr. Girish Chandra proposed Vote of thanks.

In his keynote address Dr. L. M. Bhar, Director, IASRI, New Delhi, emphasise on the importance and utility of statistics, mainly in the forestry and environment research and other studies. He also guided on the filtering of data and proper interpretation of results obtained in the statistical analysis. Dr. Bhar highlighted the developments in the field of statistics being applied new research areas in forestry, agriculture and environment. Dr Suresh Gairola, DG ICFRE lighting the lamp during Inaugural session

Today's session focused on the theme Recent Advances in Sampling Techniques. Speakers presented papers on different topics in sampling concerning forestry and ecology. Presentations were given by Sh. Rajesh Kumar, Prof. B.V.S. Sisodia, Dr. Hukum Chandra, Dr. Piyush K. Rai, Dr. Raosaheb V. Latpate, Dr. Rajesh Tailor, Prof. Manoj Kumar, Dr. Sushil Kumar, Santosh Kumar Yadav, Ankuri Agrawal and Shachi Pandey. The technical sessions were chaired by Dr. L. M. Bhar, Prof. Anoop Chaturvedi and Dr. Hukum Chandra.

शोध परिणामों में सांख्यिकी का विशेष महत्व : गैरोला

राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करते महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला।

देहरादून (ब्यूरो)। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. सुरेश गैरोला ने कहा कि शोध कार्यों में सांख्यिकी का विशेष महत्व है। सांख्यिकी से शोध के परिणामों को सटीक तरह से प्रस्तुत किया जा सकता है।

डॉ. गैरोला बुधवार से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सभागार में 'वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकी की आधुनिक प्रगति' पर शुरू हुए तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से शोधार्थियों को लाभ होगा। भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एलएम भर ने व्याख्यान में सांख्यिकी विश्लेषणों के दौरान आंकड़ों व विश्लेषणों में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला को उप महानिदेशक एएस रावत, रमन नौटियाल ने भी संबोधित किया। इस दौरान में डॉ. गिरीश चंद्र, राजेश कुमार, प्रोफेसर बीवीएस सिसोदिया, डॉ. हुकुम चंद्र, डॉ. पीयूष के. रॉय, डॉ. राजेश टेलर आदि मौजूद थे।